आर्य समाज शक्तिनगर का अर्द्धशताब्दी समारोह

आर्य समाज शक्तिनगर (दिल्ली) से स्वामी इन्द्रवेश जी का गहरा सम्बन्ध रहा था। इस आर्य समाज में अपना कार्यालय खोल कर वर्षों सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद् का संचालन और 'राजधर्म' का प्रकाशन होता रहा है। प्रारम्भ से ही सबसे ऊपर की मंजिल के दो कमरे आर्य समाज ने निःशुल्क दिये हुए हैं। आर्य समाज शक्तिनगर के सभागार में ही अनेक गोष्ठियाँ और बैठकें आयोजित कर महत्वपूर्ण निर्णय वेशद्वय लेते रहे हैं। आर्य समाज, शक्तिनगर ही दिल्ली की एकमात्र ऐसी आर्य समाज है जहां दोनों समय पिछले कई वर्षों से लंगर चल रहा है। अनेक निर्धन बच्चे निःशुल्क आवास और भोजन की सुविधा पाकर यहां से उच्च शिक्षा प्राप्त करते रहे हैं। दोनों समय का यज्ञ भी इस समाज में नियमित रूप से होता है। दूरदराज का कोई भी आर्य प्रचारक, वानप्रस्थी, संन्यासी, ब्रह्मचारी, नैष्ठिक किसी भी समय आकर यहां रुक सकता है जबकि दिल्ली की अनेक समृद्ध समाजों में ऐसी सुविधा उपलब्ध नहीं है। स्व. भाई ओमप्रकाश गुप्त और माता लीलावती जी तो इस समाज के प्राण रहे हैं। दान देने में भी यह आर्य परिवार सदैव उदार रहा है। इनके ज्येष्ठ पुत्र डॉ. भूपेन्द्र जी, जो अमेरीका में रहते हैं 'भाई ओमप्रकाश और माता लीलावती ट्रस्ट' के माध्यम से आर्य समाज के विभिन्न सेवा प्रकल्पों को आर्थिक योगदान देते हैं। इस परिवार से स्वामी इन्द्रवेश जी के अत्यंत घनिष्ठ व आत्मीय सम्बंध रहे हैं जिनका विस्तृत उल्लेख भाई ओमप्रकाश गुप्त स्मृति ग्रन्थ और माता लीलावती अभिनन्दन ग्रन्थ में मिलता है।

ऐसी भव्य और क्रियाशील आर्य समाज ने 22, 23, 24 जुलाई 2005 को जब अपनी स्थापना की अर्द्धशताब्दी मनाई तो स्वामी इन्द्रवेश जी, स्वामी अग्निवेश जी, जगवीर सिंह जी एडवोकेट ने उसमें बढ़ चढ़ कर भाग लिया और सफल बनाया। शताब्दी समारोह को सफल बनाने के लिए माता लीलावती जी ने श्री नरेन्द्र गुप्ता की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया जिसमें आर्य समाज के मन्त्री डा० वत्स शास्त्री, धर्माचार्य प्रेमपाल शास्त्री, कोषाध्यक्ष श्री सुरेश गुप्ता, स्त्री आर्य समाज की प्रधाना विमला गुलाटी को रखा गया।

इस अवसर पर नारी जागरण सम्मेलन, आर्य महासम्मेलन, कार्यकर्त्ता अभिनन्दन सम्मेलन आदि रखे गये। इन सम्मेलनों को सम्बोधित करने वालों में सर्वश्री स्वामी इन्द्रवेश जी, स्वामी अग्निवेश जी, प्रो. कैलाशनाथ सिंह, जगवीर सिंह एडवोकेट, स्थानीय विधायक शादीराम, निगम पार्षद विनोद गोयल, ओजस्वी वक्ता डॉ. वागीश शर्मा, प्रसिद्ध वैदिक विद्वान् आचार्य वेदप्रकाश श्रोत्रिय, आचार्य रामकिशोर शर्मा, श्रीमती प्रभात शोभा पंडित, श्रीमती पुष्पा शास्त्री, पं. सत्यपाल पथिक, राम स्वरूप आर्य आदि के नाम प्रमुख हैं।

प्रतिदिन होने वाले यज्ञ के ब्रह्मा श्री प्रेमपाल शास्त्री रहे। अर्द्धशताब्दी समारोह में जिन कार्यकर्त्ताओं ने विशेष सहयोग दिया उनमें सर्वश्री हरिसिंह चौहान, लोकेश कुमार, कुलदीप सिंह राणा, अर्जुन, संदीप, शिवकुमार, वीरपाल, राधेश्याम, लाखनसिंह, विश्वजीत के नाम उल्लेखनीय हैं। इस अवसर पर आर्य समाज की अहर्निश सेवा करने वाली विभूतियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया जिनमें श्रीमती विद्यावती अरोड़ा, श्रीमती सन्तोष भल्ला, श्रीमती कृष्णा चौधरी, श्रीमती पुष्पावती, श्री रमेश अरोडा, श्री धर्मदेव गुप्ता, श्री ओमप्रकाश चौधरी, श्री गणेशदास गोयल, श्री के.के. सेठी, श्री रामविलास खुराना आदि हैं।

स्वामी अग्निवेश जी ने जब टंकारा से अमृतसर तक कन्या भ्रूण हत्या विरोधी जन-चेतना यात्रा की यहां घोषणा की तो आर्य समाज शक्तिनगर के प्रधान श्री नरेन्द्र गुप्त ने 1 से 15 नवम्बर तक इसमें सम्मिलित रहने की घोषणा की।